चार साल बाद भी बरकरार है 'गुड लक जेरी' का जादू

साल 2022 में रिलीज़ हुई 'गुड लक जेरी' ने अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के फिल्मी करियर को नई दिशा दी थी. आज इस फिल्म की रिलीज़ के चार साल पूरे होने पर भी इसकी चर्चा उतनी ही प्रासंगिक है, क्योंकि यह उन फिल्मों में शामिल है जिन्होंने जाह्नवी की अभिनय क्षमता को नए आयाम दिए. इससे पहले वह मुख्य रूप से ग्लैमरस और रोमांटिक भूमिकाओं में नज़र आई थीं, लेकिन 'गुड लक जेरी' ने उनकी एक गंभीर और बहुमुखी कलाकार की छवि स्थापित की.

फिल्म में जाह्नवी ने 'जेरी' नाम की एक साधारण युवती का किरदार निभाया, जो परिस्थितियों के दबाव में अपराध की दुनिया से जुड़ जाती है. कहानी में हास्य, भावनाएं, सस्पेंस और संघर्ष का संतुलित मिश्रण देखने को मिला, वहीं जाह्नवी ने अपने किरदार को पूरी सादगी और संवेदनशीलता के साथ पर्दे पर उतारा. इस भूमिका को वास्तविक बनाने के लिए उन्होंने बिहारी लहजे पर विशेष अभ्यास किया और किरदार की भावनात्मक यात्रा को समझने के लिए गहन तैयारी की.

फिल्म में उनकी मासूमियत, आत्मविश्वास और मुश्किल परिस्थितियों में लिए गए फैसलों को जिस सहजता से उन्होंने निभाया, उसने दर्शकों को प्रभावित किया. समीक्षकों ने भी उनके अभिनय को उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक बताया. यही वजह रही कि 'गुड लक जेरी' केवल एक मनोरंजक फिल्म नहीं रही, बल्कि यह जाह्नवी कपूर के अभिनय विकास का महत्वपूर्ण पड़ाव बन गई. फिल्म की लोकप्रियता बरकरार है और इसे ओटीटी दर्शकों के बीच लगातार पसंद किया जा रहा है.

बंटवारा 1947 का दमदार ट्रेलर जारी

आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' का ट्रेलर रिलीज़ होते ही चर्चा का विषय बन गया है. निर्देशक राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारत के विभाजन की त्रासदी को सिर्फ ऐतिहासिक घटना के रूप में नहीं, बल्कि इंसानी जज़्बात, रिश्तों और उम्मीद की कहानी के रूप में प्रस्तुत करती है.

ट्रेलर में 1947 के उस दौर की भयावह तस्वीर दिखाई गई है, जब हिंसा, दंगे और जबरन पलायन ने लाखों परिवारों की ज़िंदगी हमेशा के लिए बदल दी थी. ट्रेलर की शुरुआत शांत माहौल से होती है, लेकिन देखते ही देखते हालात भयावह हो जाते हैं. अपने घर, परिवार और पहचान को बचाने की जद्दोजहद में लोग बिछड़ते हैं, रिश्ते टूटते हैं और ज़िंदगी पूरी तरह बदल जाती है. इन कठिन परिस्थितियों के बीच भी फिल्म यह संदेश देती है कि इंसानियत, भरोसा और उम्मीद किसी भी नफरत से कहीं अधिक ताकतवर होते हैं. फिल्म में सनी देओल एक ऐसे साहसी व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो हालात चाहे कितने भी मुश्किल क्यों न हों, अपने सिद्धांतों और इंसानियत का साथ नहीं छोड़ता.

सलमान खान ने बढ़ाया मदद का हाथ

बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री पहुंचाई

असम में लगातार हो रही बारिश और बाढ़ ने हजारों परिवारों को बेघर कर दिया है. कई इलाके जलमग्न हैं और लोगों को भोजन, पीने के पानी तथा जरूरी सुविधाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है. ऐसे संकट के समय बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपनी संस्था 'बीइंग ह्यूमन' के माध्यम से राहत अभियान शुरू कर प्रभावित लोगों की मदद के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है.

अभियान में सलमान खान फैन क्लब असम भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है. पहले चरण में शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित परिवारों तक गुवाहाटी से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है. राहत पैकेटों में बिस्कुट, गुड़, पोहा, जैम और अन्य रेडी-टू-ईट खाद्य सामग्री शामिल की गई है, ताकि प्रभावित परिवारों को तत्काल भोजन उपलब्ध हो सके. इसके अलावा महिलाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सैनिटरी पैड जैसी जरूरी सामग्री भी राहत किट का हिस्सा बनाई गई है.

राहत अभियान का उद्देश्य केवल भोजन पहुंचाना नहीं, बल्कि बाढ़ से जूझ रहे लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना भी है. राहत किट इस तरह तैयार की गई हैं कि एक परिवार कम से कम तीन दिनों तक भोजन की चिंता से मुक्त रह सके. स्थानीय स्वयंसेवक और फैन क्लब के सदस्य राहत सामग्री को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाने में लगातार जुटे हुए हैं. सलमान खान लंबे समय से अपनी संस्था 'बीइंग ह्यूमन' के जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा राहत जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं. असम बाढ़ राहत अभियान भी उसी सामाजिक प्रतिबद्धता का हिस्सा माना जा रहा है. उनकी इस पहल ने यह संदेश दिया है कि आपदा के समय समाज के हर वर्ग को जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना चाहिए. सोशल मीडिया पर भी सलमान खान के इस कदम की व्यापक सराहना हो रही है. प्रशंसकों का कहना है कि पर्दे पर ही नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में भी सलमान खान ने इंसानियत का परिचय दिया है. राहत अभियान के आगे के चरणों में अधिक प्रभावित क्षेत्रों तक सहायता पहुंचाने की भी योजना बताई जा रही है.

टेलीविजन हलचल

खतरों के खिलाड़ी में मोर्ने मोर्कल की धमाकेदार एंट्री

कलर्स का सबसे चर्चित एडवेंचर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौट रहा है और इस बार शो में रोमांच का स्तर पहले से कहीं अधिक ऊंचा दिखाई देने वाला है। हर सीज़न की तरह इस बार भी होस्ट रोहित शेट्टी ने ऐसे स्टंट्स तैयार किए हैं, जो कंटेस्टेंट्स के साहस, मानसिक मजबूती और शारीरिक क्षमता की कठिन परीक्षा लेंगे. हालांकि इस नए सीज़न की सबसे बड़ी खासियत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टार मोर्ने मोर्कल की मौजूदगी है, जो पहली बार किसी भारतीय टेलीविज़न रियलिटी शो का हिस्सा बने हैं. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ मोर्ने मोर्कल ने अपने क्रिकेट करियर में दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाज़ों को अपनी तेज़ गेंदों और उछाल से परेशान किया है. अब वही रफ्तार और आक्रामकता 'खतरों के खिलाड़ी' के स्टंट्स में देखने को मिलेगी. शो में उनके लिए विशेष रूप से एक अनोखा चैलेंज तैयार किया गया है, जिसमें सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को उनकी फेंकी गई तेज़ गेंद को कैच करना होगा. यह देखने में सामान्य क्रिकेट अभ्यास जैसा लग सकता है, लेकिन वास्तविकता में यह बेहद कठिन और जोखिम भरा स्टंट है. मोर्कल की गेंदों की गति, उछाल और दिशा कंटेस्टेंट्स के रिफ्लेक्स, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन की परीक्षा लेगी. यह टास्क केवल शारीरिक ताकत का नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता का भी इम्तिहान होगा.

अल्लू अर्जुन ने फैंस को दिया इंश्योरेंस का तोहफा

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपने दमदार अभिनय के साथ-साथ प्रशंसकों के प्रति अपने खास लगाव के लिए भी जाने जाते हैं. अब उन्होंने अपने फैंस के लिए एक नई और सराहनीय पहल करते हुए अल्लू अर्जुन फैंस एसोसिएशन के सदस्यों के लिए इंश्योरेंस कवरेज शुरू करने की घोषणा की है.

यह ऐलान एएएफए की वार्षिक बैठक 2026 के दौरान किया गया, जिसमें सात राज्यों से एक हजार से अधिक प्रशंसकों ने हिस्सा लिया. इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और ओडिशा से आए प्रशंसकों ने अपने पसंदीदा अभिनेता से मुलाकात की. अल्लू अर्जुन ने करीब चार से पांच घंटे तक फैंस के साथ समय बिताया.

उन्होंने प्रत्येक सदस्य से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, तस्वीरें खिंचवाईं और बातचीत कर उनका हालचाल जाना. आयोजन में शामिल सभी लोगों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था भी की गई, जिससे यह कार्यक्रम प्रशंसकों के लिए यादगार बन गया.

कार्यक्रम की सबसे बड़ी घोषणा इंश्योरेंस सुविधा रही. अभिनेता का मानना है कि प्रशंसकों का साथ केवल फिल्मों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके जीवन की सुरक्षा और भलाई भी उतनी ही महत्वपूर्ण है. यही सोच इस पहल के पीछे की सबसे बड़ी प्रेरणा मानी जा रही है. फैंस के लिए इंश्योरेंस कवरेज उपलब्ध कराकर अल्लू अर्जुन ने यह संदेश दिया कि उनके लिए प्रशंसकों का विश्वास और सुरक्षा सर्वोपरि है. सोशल मीडिया पर भी इस पहल की खूब सराहना हो रही है. प्रशंसकों ने अभिनेता के इस कदम को संवेदनशील और प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि बहुत कम सितारे अपने फैंस के लिए इस तरह की ठोस पहल करते हैं. इससे अल्लू अर्जुन और उनके प्रशंसकों के बीच का भावनात्मक रिश्ता और मजबूत होने की उम्मीद है. अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म 'राका' को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है और प्रशंसक उन्हें एक नए और दमदार अवतार में बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट फिर बना इतिहास

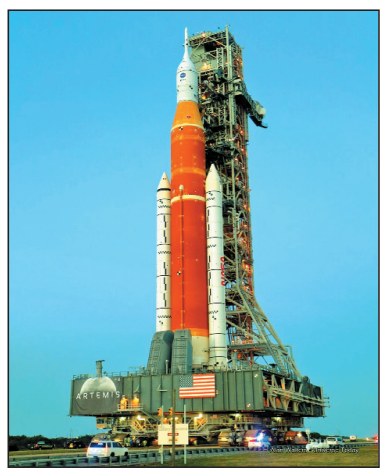

स्पेसएक्स ने अपनी महत्वाकांक्षी स्टारशिप फ्लाइट-13 टेस्ट उड़ान के जरिए अंतरिक्ष तकनीक में एक और बड़ी सफलता दर्ज की है. टेक्सास स्थित स्टारबेस से लॉन्च हुए दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट ने मिशन के दौरान 20 अगली पीढ़ी के स्टारलिंक भी3 सैटेलाइट सफलतापूर्वक तैनात किए. यह पहली बार था जब स्टारशिप ने वास्तविक परिचालन स्टारलिंक सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में छोड़ा.

मिशन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक स्टारशिप के ऊपरी चरण का हिंद महासागर में नियंत्रित सॉफ्ट स्प्लैशडाउन रहा. रिपोर्टों के अनुसार, यह अब तक का सबसे सफल जल अवतरण था, जिसमें अंतरिक्ष यान अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में समुद्र की सतह पर उतरा. इससे स्पेसएक्स को पुन: उपयोग योग्य अंतरिक्ष यान विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी मिलेगी. उड़ान के दौरान स्टारशिप ने कई अहम परीक्षण भी पूरे किए. इनमें अंतरिक्ष में रैप्टर इंजन को दोबारा चालू करना, उन्नत हीट शील्ड की क्षमता का परीक्षण और री-एंट्री के दौरान संरचना की मजबूती का आकलन शामिल था. छह स्टारलिंक सैटेलाइट्स में विशेष कैमरे और सेंसर लगाए गए थे, जिन्होंने हीट शील्ड के प्रदर्शन से जुड़ा महत्वपूर्ण डेटा एकत्र किया.

हालांकि मिशन पूरी तरह त्रुटिरहित नहीं रहा. सुपर हेवी बूस्टर वापसी के समय पर्याप्त इंजन दोबारा चालू नहीं कर सका, जिसके कारण उसका मैक्सिको की खाड़ी में अपेक्षा से अधिक तेज़ प्रभाव के साथ अवतरण हुआ. इसके बावजूद स्पेसएक्स ने मिशन को बड़ी सफलता बताया, क्योंकि ऊपरी चरण ने लगभग सभी निर्धारित उद्देश्यों को पूरा किया. स्टारशिप कार्यक्रम स्पेसएक्स की भविष्य की योजनाओं का आधार है.

आईफोन यूजर्स को मिलेगा व्हाट्सऐप का नया डिज़ाइन

व्हाट्सऐप अपने आईफोन उपयोगकर्ताओं के लिए एक नए डिज़ाइन पर काम कर रहा है, जिससे चैटिंग का अनुभव पहले से अधिक आकर्षक और आधुनिक हो जाएगा. सामने आई जानकारी के अनुसार, कंपनी संदेश बबल के स्वरूप में बदलाव कर रही है. नए संस्करण में संदेश बबल पहले की तुलना में अधिक गोल किनारों वाले दिखाई देंगे, जिससे पूरी चैट विंडो का रूप अधिक साफ और प्रीमियम महसूस होगा. इसके अलावा फोटो और वीडियो साझा करने का लेआउट भी बदला जाएगा, जिससे मीडिया सामग्री पहले की अपेक्षा अधिक व्यवस्थित और आकर्षक दिखाई देगी.

फिलहाल यह सुविधा केवल कुछ बीटा परीक्षणकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराई गई है, जहां कंपनी उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया और तकनीकी प्रदर्शन का आकलन कर रही है. यदि परीक्षण सफल रहता है, तो आने वाले सप्ताहों में इसे सभी आईफोन उपयोगकर्ताओं के लिए जारी किया जा सकता है. हालांकि, इस अपडेट में केवल डिज़ाइन से जुड़े बदलाव शामिल हैं और फिलहाल किसी नए फीचर या चैटिंग सुविधा में बड़े परिवर्तन की जानकारी सामने नहीं आई है.

समुद्र की गहराई में मिला 'अदृश्य' सोने का खजाना

जापान के दक्षिण-पूर्वी तट के निकट समुद्र की गहराई में वैज्ञानिकों ने ऐसी खोज की है, जो भविष्य में सोने के खनन के तरीकों को बदल सकती है. अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की एक टीम ने सक्रिय ज्वालामुखीय क्षेत्र में मौजूद ब्लैक स्मोकर चिमनियों और हाइड्रोथर्मल वेंट्स के आसपास रिकॉर्ड मात्रा में सूक्ष्म सोने के कणों की पहचान की है.

वैज्ञानिकों के अनुसार यह अब तक समुद्र तल पर दर्ज सबसे अधिक सांद्रता वाले सोने के भंडारों में से एक है. इस खोज की सबसे खास बात यह है कि यहां पाया गया अधिकांश सोना 'अदृश्य सोना' है. इसका अर्थ यह नहीं कि सोना वास्तव में गायब है, बल्कि यह इतने सूक्ष्म रूप में खनिजों के भीतर मौजूद है कि इसे नंगी आंखों या सामान्य माइक्रोस्कोप से नहीं देखा जा सकता. इसकी पहचान केवल अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों और विश्लेषण तकनीकों से ही संभव है.

ओप्पो ए7 सीरीज में मिलेगी बड़ी बैटरी और एमोलेड डिस्प्ले

ओप्पो अपनी लोकप्रिय ए7 सीरीज में एक नया स्मार्टफोन जोड़ने की तैयारी कर रहा है. लॉन्च से पहले पीवाईई110 मॉडल नंबर वाला एक नया डिवाइस टेना सर्टिफिकेशन वेबसाइट पर सूचीबद्ध हुआ है, जिससे इसके कई अहम फीचर्स का खुलासा हुआ है. टिप्स्टर बाल्ड पांडा के अनुसार, यह डिवाइस ओप्पो ए7 सीरीज का नया मॉडल हो सकता है. हालांकि कंपनी ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन सर्टिफिकेशन लिस्टिंग ने इसकी लॉन्च की अटकलों को और मजबूत कर दिया है. इस स्मार्टफोन में 6.57 इंच का एमोलेड डिस्प्ले दिया जा सकता है, जिसका रिजॉल्यूशन 2372 म 1080 पिक्सल होगा. बेहतर सुरक्षा और सुविधाजनक अनलॉकिंग के लिए इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर मिलने की संभावना है. सॉफ्टवेयर की बात करें तो यह फोन एंड्रॉयड 16 आधारित कलरओएस 16 पर काम कर सकता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को नए फीचर्स और बेहतर अनुभव मिलने की उम्मीद है. बैटरी इस फोन की सबसे बड़ी खासियत मानी जा रही है. लिस्टिंग में 7,820 रेटेड बैटरी का उल्लेख है, जिसकी सामान्य क्षमता 8,000 हो सकती है. इतनी बड़ी बैटरी एक बार चार्ज करने पर लंबे समय तक उपयोग का अनुभव दे सकती है, जिससे यह फोन गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग और मल्टीटास्किंग करने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए आकर्षक विकल्प बन सकता है.

यंग इंडिया

पटना हाईकोर्ट में 68 असिस्टेंट पदों पर भर्ती

पटना हाईकोर्ट ने न्यायिक सेवा में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक्स-कैडर असिस्टेंट के 68 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है. यह भर्ती उन अभ्यर्थियों के लिए विशेष अवसर है जो सरकारी नौकरी के साथ बेहतर वेतन और स्थिर करियर की तलाश में हैं. भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 28 जुलाई 2026 से शुरू हो चुकी है, जबकि आवेदन करने और शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 27 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है.

भर्ती के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे. इच्छुक उम्मीदवार पटना हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर सकते हैं. परीक्षा की तिथि और एडमिट कार्ड से संबंधित जानकारी बाद में आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी.

शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या कॉलेज से स्नातक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. इसके साथ ही किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कम से कम छह माह का कंप्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा या सर्टिफिकेट होना भी जरूरी है. कंप्यूटर ज्ञान को इस भर्ती में महत्वपूर्ण योग्यता के रूप में शामिल किया गया है.

चयनित अभ्यर्थियों को लेवल-7 वेतनमान के तहत 81,000 प्रतिमाह तक वेतन मिलने के साथ-साथ महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, चिकित्सा सुविधा तथा राज्य सरकार के नियमानुसार अन्य भत्तों का लाभ भी मिलेगा. यही कारण है कि यह भर्ती प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के बीच खासा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है.

एआई युग में इंजीनियर बनेंगे सबसे बड़े गेम चेंजर

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने भारत के रोजगार बाजार में बड़ा बदलाव ला दिया है. अब केवल प्रोग्रामिंग या कोडिंग जानना पर्याप्त नहीं माना जा रहा, बल्कि कंपनियां ऐसे इंजीनियरों की तलाश कर रही हैं जो तकनीक को समझने के साथ उसका व्यावहारिक उपयोग भी कर सकें. एआई, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में तेजी से बढ़ते निवेश ने इंजीनियरों की मांग को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है. यही कारण है कि इन क्षेत्रों में काम करने वाले पेशेवरों को पहले की तुलना में अधिक वेतन और बेहतर अवसर मिल रहे हैं.

आने वाले समय में इंजीनियरों को सबसे पहले कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग की बुनियादी समझ विकसित करनी होगी. भले ही वे एआई विशेषज्ञ न बनें, लेकिन एआई आधारित उपकरणों का उपयोग और उनके काम करने के तरीके को समझना हर इंजीनियर के लिए जरूरी होगा. इसके साथ ही डेटा विश्लेषण की क्षमता भी महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि भविष्य के अधिकांश निर्णय आंकड़ों पर आधारित होंगे. समस्या समाधान की क्षमता भविष्य की सबसे बड़ी ताकत मानी जाएगी.

पीसीएस 2026 के लिए अब 3 अगस्त तक आवेदन

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने संयुक्त राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा 2026 के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देते हुए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 3 अगस्त 2026 तक बढ़ा दी है.

आयोग ने पहले 27 जुलाई तक आवेदन मांगे थे, लेकिन अब आवेदन और परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 3 अगस्त कर दी गई है. वहीं आवेदन पत्र में सुधार, संशोधन और शुल्क संबंधी त्रुटियों के समाधान की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है. आयोग के सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी ने स्पष्ट किया है कि अंतिम तिथि तक अभ्यर्थी द्वारा दर्ज की गई श्रेणी, उपश्रेणी, निवास प्रमाण, लिंग, जन्मतिथि, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, क्रीमीलेयर, नाम और पते से संबंधित जानकारी ही मान्य होगी. इसके बाद किसी भी प्रकार का परिवर्तन स्वीकार नहीं किया जाएगा और गलत जानकारी पाए जाने पर आवेदन निरस्त किया जा सकता है.

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि आवेदन करने से पहले एकमुश्त पंजीकरण कराना अनिवार्य है. ओटीआर पूरा होने के बाद उसे सक्रिय होने में 72 घंटे तक का समय लग सकता है. जब तक अभ्यर्थी को वैध ओटीआर संख्या प्राप्त नहीं होगी, तब तक वह आवेदन पत्र न तो भर सकेगा और न ही जमा कर पाएगा.

भारतीय सेना में लॉ ग्रेजुएट्स के लिए निकली भर्ती

भारतीय सेना ने शॉर्ट सर्विस कमीशन जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) एंट्री योजना के 125वें पाठ्यक्रम के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है. यह भर्ती उन विधि स्नातक युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है, जो कानून के क्षेत्र में करियर बनाने के साथ देश सेवा का सपना भी पूरा करना चाहते हैं. इस भर्ती के तहत अविवाहित पुरुष और महिला अभ्यर्थियों का चयन भारतीय सेना की विधि शाखा में अधिकारी के रूप में किया जाएगा. आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 17 अगस्त 2026 तक भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

इस भर्ती के लिए अभ्यर्थी के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि स्नातक (एलएलबी) की डिग्री में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है. इसके साथ ही उम्मीदवार का कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट स्नातकोत्तर (क्लैट पीजी) 2026 परीक्षा में शामिल होना भी आवश्यक है. प्रारंभिक चयन क्लैट पीजी के अंकों के आधार पर किया जाएगा. इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों को सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. साक्षात्कार में सफल उम्मीदवारों का चिकित्सकीय परीक्षण होगा और इसके बाद उपलब्ध रिक्तियों, क्लैट पीजी के प्रदर्शन, एसएसबी साक्षात्कार तथा चिकित्सकीय फिटनेस के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी. भारतीय सेना के जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) अधिकारी सेना से जुड़े कानूनी मामलों का संचालन करते हैं.